बता है। एक्सीडेंट्स का सवाल पूछा नहीं है। लेकिन मैं बता देता हूं कि कितने एक्सीडेंट्स हुए है। कुल 64 शिकायतें आई। उन में से 49 केसिस ऐसे थे जो सबस्टैंशिएट नही हुए, गलत थे, साबित नही हुए। 7 की इनक्वायरी हो रही है। 8 मे सेंटेंस हो चुकी है। इतने बडे शहर में कुल 64 एक्सीडेंट्स हुए तो मैं नही कह सकता हूं कि यह तशवीसनाक सिचुएशन है।

श्री एम० रामगोपाल रेड्डी : अभी मंत्री जी ने कहा कि एक्सीडेंट्स कम हो गये है तो क्या उनमें कुछ ज्यादा करने की गुंजाइश रखी गई है ?

बहुत सी पालिटिकल पार्टीज ऐसी हैं जिनमे ज्यादातर डैथ्स पार्टी मे है तो क्या वह लोग भी बाटलनैक्स क्रिएट करते है ? (**व्यवधान**) . .

MR. SPEAKER: No, it does not arise out of this

श्री हुकम चन्द कछवाय : दिल्ली मे जो यातायात की समस्या है वह देश के सभी महानगरों, बम्बई, कलकत्ता, नागपुर मे भी है।

MR. SPEAKER: We are on Delhi only.

श्री हुकम चन्द कछवाय : मै यह जानना चाहता हू कि यातायात की इन कठिनाइयों के कारण जो एक्सीडेंट्स होते है उन के हल करने के बारे मे क्या किया जा रहा है ? एक्सीडेंट्स कम-से-कम होने सम्बन्धी नियमों का पालन सभी महानगरों मे ठीक प्रकार से नही होता है। दिल्ली में तो फिर भी कुछ लोग इन नियमो का पालन करते हैं, लेकिन अभी हाल मे जो पैट्रोल के दाम बढे हैं, इस विषय को लेकर जो टैक्सी और स्कूटर वाले हैं, वह प्राय : यात्रियों मे झगड़ा करते है और ज्यादा किराय वसूल करते हैं : बाहर मे जो आने वा यात्री होते है, उनमे रेलवे स्टेशन प मुह मागे पैसे देने के लिए जब यात्री तैया हो जाता है तो उसको सवारी मे बिठाय जाता हैं। (**व्यवधान**) क्या इस तरह क कोई कदम उठाया जायेगा कि यात्रियो अधिक किराया न लिया जा सके औ एक्सीडेंट्स भी न हो ? (**व्यवधान**)

MR. SPEAKER: It is a totally di rent question.

Concessions to Cement Manufactur

*411 SHRI AHMED M. PATI Will the Minister of INDUSTRY pleased to state:

(a) whether Government are co dering to offer certain concessions the indigenous cement manufactur for increasing the cement producti

(b) if so, the details of such cc cessions; and

(c) the reaction of the cem manufacturers?

THE MINISTER OF INDUST (SHRI GEORGE FERNANDES): to (c). Government are actively co dering the appointment of a high le committee for carrying out a compi hensive review of the cement ind try. The terms of reference to the p posed committee would inter a including the question of long-te measures for encouraging the creat of additional capacity. Governm are also considering certain propos for short-term incentives to encou additional production out of the ex ing capacity. These proposals are to be finalised.

श्री अहमद एम० पटेल : मै मंत्र महोदय से जानना चाहूंगा कि यह हा लैवल कमेटी कब तक बन जायेगी और उ प्रपोजल मंत्री जी ने बताया है, वह कब त फाइनल हो जायेगा ?

श्री जार्ज फर्नांडिस : अध्यक्ष दय, यह कमेटी अगले 4, 6 सप्ताह तिर बननी चाहिए, जिसमें इस उद्योग सम्बधित तमाम मत्रालय और इस ग के प्रतिनिधि शामिल किये जायेंगे और सीमेंट उद्योग के बारे मे विचार कर के, ष कर उत्पादन को कैसे बढाया , दाम वगैरह की समस्या को प्रकार से हल किया जाय, नये खान लगाने समय अभी जो बहुत क पूंजी की जरूरत है, उस समस्या को हल किया जाये, इन सारे मसाला पर कमेटी अपनी राय देने का काम करेगी।

जहा तक तात्कालिक समस्याए दूर ने का सवाल है, उसमे हम अपने कुछ ा के भीतर निर्णय कर लेंगे। उस मे यह सोच रहे है कि बिजली की बडी स्या है कई जगह पर सीमेंट का ादन बिजली की कमी के कारण जितना ा चाहिए था, नही हो पा रहा है। सीमेंट कारखाना को कह रहे है कि वह टव प्लाण्ट लगावें, उसमे कुछ छूट देने बात हम सोच रहे है, पर निर्णय अभी किया गया है।

उसी तरह से स्लैग आर पाजेलैनिक ट निर्माण करने के बारे मे सीमेंट खानो को कह चुके है, कुछ लोग काम मे है मगर उसमे कुछ दिक्कते है। जहा आर्थिक मदद की जरूरत पडेगी, उस भी इस समय सोच रहे है और कुछ समय इस पर निर्णय ले पायेंगे।

मिनी सीमेंट प्लाण्टस लगाने के बारे कुछ रियायतें देने का काम भी हम कर हैं।

HRI VAYALAR RAVI: He cannot ce a policy statement during the stion Hour.

IR. SPEAKER: Yes, he has already le a policy statement earlier.

HRI GEORGE FERNANDES: I not making any policy statement. I am only saying these are the various areas where immediate relief is being contemplated and it will take probably a few days to announce the relief.

श्री अहमद एम० पटेल : क्या मंत्री महोदय यह आश्वासन देगे कि वे प्रोपोजल्ज फ़ाइनलाइज हो जाने के बाद सीमेंट की तंगी सम्पूर्ण तौर पर खतम हो जायेगी ?

श्री जार्ज फर्नांडिस : सीमेंट की तंगी को दूर करने में तो हमे कुछ समय लग जायेगा। इस समय हमारी कैपेसिटी मुश्किल से 22 मिलियन टन है, और हमारी आवश्यकता उस से ज्यादा है। अपने पाच वर्षों मे लगभग 15 मिलियन टन और सीमेंट की कैपेसिटी बढाने की योजना इस समय कार्यान्वित हो रही है। मगर वे नये कारखाने खडे होने मे समय लग जायेगा। दरमियान के समय मे सीमेंट की कमी का पूरय करने के लिए हम सीमेंट का आयात कर रहे है।

श्री छबि राम अर्गल : सीमेंट निर्माता सीमेंट मे मिलावट करते है, जिस से लोगो को घटिया किस्म का सीमेंट मिल रहा है। सीमेंट मे ब्लैक मार्केटिंग भी हो रहा है—एक एक बैग चालीस चालीस रुपये में मिल रहा है। ग्रामीण अंचलों में सीमेंट उपलब्ध नही है। अधिकांश सीमेंट की खपत शहरों में हो जाती है। क्या मंत्री महोदय यह व्यवस्था करेंगे कि ग्रामीण अंचलो मे किसानो को उन की आवश्यकता के मुताबिक सीमेंट उपलब्ध हो ?

श्री जार्ज फर्नांडिस : जहां तक सीमेंट बेचने का प्रश्न है, वह काम कम्पनियां अपने डीलर्ज के माध्यम से करती हैं। लगभग 24,000 डीलर्ज सारे देश में है। एलाटमेंट करने का काम हर राज्य करता है। अगर मिलावट के बारे में कोई ठोस शिकायत हो, तो उस की जांच

करने के बारे में जो कदम उठाना चाहिए, वह हम अपनी तरफ़ से उठायेंगे । गांवों में सीमेंट पहुंचाने के लिए हम राज्य सरकारों को कहेंगे कि जहां भी इस प्रकार की शिकायत हो, उसे वे दूर करें । लेकिन जैसा कि मैंने कहा है, चूंकि हम कमी को आयात से पूरा करने के काम में लगे हुए हैं, इस लिए जिस किसी क्षेत्र में सीमेंट के बारे में कुछ परेशानी नजर आती है, वह अगले चन्द दिनों में हम दूर कर देंगे । हम राज्य सरकारों को कह देंगे कि वे गांवों तक सीमेंट पहुंचायें । मैं राज्य सरकारों से कह सकता हूं । मैं अपनी तरफ से नहीं पहुंचा सकता हूं ।

SHRI R. VENKATARAMAN: The hon. Minister is aware that experiments have been carried out in small-scale cement plants. The Government of India have actually taken over a cement plant in Tamil Nadu at Ariyalur and have worked on it. May I know whether the terms of reference of this Committee will include an examination of the feasibility as well as the problems of the small-scale cement plants along with those of the large-scale plants?

SHRI GEORGE FERNANDES: No, Sir. It is not proposed to make this Committee discuss the mini cement plants or the small-scale cement plants and the problems pertaining to this sector. We have a few mini cement plants currently in operation. More are being contemplated. Plants with a capacity up to 100 tonnes are being to be treated as mini cement plants. Our effort is to encourage the installation of as many of these as possible in the coming few months.

Basis for distribution of Imported T.V. Picture Tubes

*412. SHRI P. K. KODIYAN: Will the Minister of ELECTRONICS be pleased to state:

(a) whether the basis of distributing the imported TV picture tubes has been shifted from licensed capacity to production capacity since last year;

(b) if so, the details thereof and reasons therefor;

(c) whether Government are aware that this shift in policy has put the small electronic industry in trouble; and

(d) if so, the details thereof and whether the same policy which prevailed earlier will be restored?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI): (a) No, Sir.

(b) to (d) Do not arise.

SHRI P. K. KODIYAN: I am surprised to hear this "No, Sir" answer Here the question is about the distribution of imported T.V. picture tubes. As a result of the policy of the Government of encouraging particular units which have got more influence to get more picture tubes, a number of small units which produce T.V. sets have already been forced to close down, and yet the hon. Prime Minister says that the policy has not changed. May I ask the Prime Minister how was it that some units whose licensed capacity was 20,000 maximum, were able to produce as much a 40,000 TV sets? I want to know how this has happened?

SHRI MORARJI DESAI: There is no question of change in policy now. This was done in order to see that only the bigger producers do not get all the advantage. So, it was distributed equitably to all and that is being followed. The smaller units are doing better, that is a good thing and not a bad thing.

SHRI P. K. KODIYAN: Is there any proposal on the part of the Government to have production of these TV picture tubes in our own country? And to attain self-sufficiency in this matter or in order to reduce to the maximum